रमेश गोयल जेम ऑफ इंडिया अवार्ड से हुए सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 28 जुलाई। पर्यावरणविद एवं जल स्टार रमेश गोयल को आल इंडिया अचीवर्स कान्फ्रेंस द्वारा पर्यावरण व जल संरक्षण क्षेत्र में जेम आफ इंडिया अवार्ड से उनके व्यक्तिगत कार्य के फलस्वरूप संस्था के नई दिल्ली में आयोजित 80वें नेशनल सेमिनार में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय टैक्सटाइल राज्य मन्त्री जय टमटा मुख्य अतिथि थे और अध्यक्षता विख्यात फिल्म स्टार रजा मुराद ने की। वरिष्ठ कार्डियोलोजिस्ट डॉ. केके कपूर, डॉ. जय प्रकाश शर्मा, डा. जय मदान, फिल्म अभिनेता अवतार गिल, अनुराग मुस्कान, पूर्णिमा मिश्रा, गुग्गल ब्वाय कोटिल्य के पिता, विशिष्ठ अतिथि थे। अचीवर्स कान्फ्रेंस देश-विदेश के प्रतिभावान व समाज सेवियों को विशेष उपलब्धि के लिए सम्मानित करती रहती है और इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 25 लोगों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि गोयल पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए एक समर्पित कार्यकर्ता हैं

और मिशनरी भाव से कार्य करते हैं। वरिष्ठ नागरिक, प्रतिष्ठित आयकर व्यवसायी रमेश गोयल आज एक नाम बन गया है जल बचत अभियान का, पर्याय है जल संरक्षण कार्य का, मिशन है जल सम्बन्धी जन जागरण का। अखबारों में जल संकट के लेख पढ़ते पढ़ते सोचा कि इस संभावित भयावह स्थिति से बचाने में देश व समाजा के लिए मैं क्या कर सकता हूं और 2008 में 60 वर्ष की आयु में लग गए जल बचत जागरूकता अभियान में। अब तक 3 लाख विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष रूप से जल की महता, कमी के कारण, बर्बादी कैसे व बचत क्यों और कैसे तथा पर्यावरण के विषय में बता चुके हैं। इनके द्वारा रचित जल चालीसा की 35 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और फेसबुक, यू ट्यूब, याहु, गुग्गल आदि पर शेयरिंग के माध्यम से 5 लाख लोगों से अधिक भेज चुके हैं। उनके द्वारा लिखी पुस्तक 'बिन पानी सब सून' का विमोचन 8 मई 2010 को हरियाणा के राज्यपाल जगननाथ पहाड़िया द्वारा किया गया। उनकी इसी लग्न व निष्ठा के फलस्वरूप ही उन्हें दिसम्बर 2011 में केन्द्रीय भू-जल बोर्ड की सात सदस्यीय जिला सलाहकार कमेटी का एक मात्र गैर सरकारी सदस्य मनोनीत किया गया तथा अप्रैल 2013 से अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद् द्वारा उन्हें राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण तथा 1-4-15 से राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण मनोनीत किया गया।

SHREE श्री

खबरें फटाफट

रमेश गोयल को जेम ऑफ इंडिया अवार्ड से नवाजा

सिरसा | पर्यावरणविद रमेश गोयल को ऑल इंडिया अचीवर्स कॉन्फ्रेंस की ओर से पर्यावरण व जल संरक्षण क्षेत्र में 'जेम ऑफ इंडिया अवार्ड' से नवाजा गया है। यह अवॉर्ड गोयल को उनके व्यक्तिगत कार्य के फलस्वरूप संस्था के बीती 27 जुलाई को नई दिल्ली में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दिया गया। सम्मेलन के मुख्यअतिथि केंद्रीय टैक्सटाइल राज्य मंत्री अजय टमटा थे और अध्यक्षता फिल्म स्टार रजा मुराद ने की। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 25 लोगों को सम्मानित किया गया।

रमेश गोयल जेम ऑफ इंडिया अवार्ड से हुए सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 28 जुलाई। पर्यावरणविद एवं जल स्टार रमेश गोयल को आल इंडिया अचीवर्स कान्फ्रेंस द्वारा पर्यावरण व जल संरक्षण क्षेत्र में जेम आफ इंडिया अवार्ड से उनके व्यक्तिगत कार्य के फलस्वरूप संस्था के नई दिल्ली में आयोजित 80वें नेशनल सेमिनार में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय टैक्सटाइल राज्य मन्त्री जय टमटा मुख्य अतिथि थे और अध्यक्षता विख्यात फिल्म स्टार रजा मुराद ने की। वरिष्ठ कार्डियोलोजिस्ट डॉ. केके कपूर, डॉ. जय प्रकाश शर्मा, डा. जय मदान, फिल्म अभिनेता अवतार गिल, अनुराग मुस्कान, पूर्णिमा मिश्रा, गुग्गल ब्वाय कोटिल्य के पिता, विशिष्ठ अतिथि थे। अचीवर्स कान्फ्रेंस देश- विदेश के प्रतिभावान व समाज सेवियों को विशेष उपलब्धि के लिए सम्मानित करती रहती है और इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 25 लोगों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि गोयल पर्यावरण

व जल संरक्षण के लिए एक समर्पित कार्यकर्ता हैं और मिशनरी भाव से कार्य करते हैं। वरिष्ठ नागरिक, प्रतिष्ठित आयकर व्यवसायी रमेश गोयल आज एक नाम बन गया है जल बचत अभियान का, पर्याय है जल संरक्षण कार्य का, मिशन है जल सम्बन्धी जन जागरण का। अखबारों में जल संकट के लेख पढ़ते पढ़ते सोचा कि इस संभावित भयावह स्थिति से बचाने में देश व समाजा के लिए मैं क्या कर सकता हूं और 2008 में 60 वर्ष की आयु में लग गए जल बचत जागरूकता अभियान में। अब तक 3 लाख विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष रूप से जल की महता, कमी के कारण, बर्बादी कैसे व बचत क्यों और कैसे तथा पर्यावरण के विषय में बता चुके हैं। इनके द्वारा रचित जल चालीसा की 35 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और फेसबुक, यू टयूब, याहु, गुग्गल आदि पर शेयरिंग के माध्यम से 5 लाख लोगों से अधिक भेज चुके हैं। उनके द्वारा लिखी पुस्तक 'बिन पानी सब सून' का विमोचन 8 मई 2010 को हरियाणा के राज्यपाल जगननाथ पहाड़िया द्वारा किया गया। उनकी इसी लग्न व निष्ठा के फलस्वरूप ही उन्हें दिसम्बर 2011 में केन्द्रीय भू-जल बोर्ड की सात सदस्यीय जिला सलाहकार कमेटी का एक मात्र गैर सरकारी सदस्य मनोनीत किया गया तथा अप्रैल 2013 से अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद् द्वारा उन्हें राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण तथा 1-4-15 से राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण मनोनीत किया गया।

रमेश गोयल जेम ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित

रमेश गोयल को अवार्ड देते केंद्रीय मंत्री अजय टमटा व अभिनेता अवतार गिल।

जागरण संवाददाता, सिरसा: पर्यावरणविद रमेश गोयल को ऑल इंडिया अचीवर्स कांफ्रेंस द्वारा पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर बेहतर कार्य करने पर जेम आफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में फिल्म जगत की दिग्गज हस्तियों के अलावा, केंद्रीय मंत्री व पर्यावरण विशेषज्ञ मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्यातिथि केन्द्रीय टैक्सटाईल राज्य मन्त्री अजय टमटा थे और अध्यक्षता फिल्म स्टार रजा मुराद ने की। वरिष्ठ कार्डियोलाजिस्ट डा. केके कपूर, डा. जय प्रकाश शर्मा, डा. जय मदान, फिल्म अभिनेता अवतार गिल, अनुराग मुस्कान, पूर्णिमा मिश्रा, गुग्गल बुआय कोटिल्य के पिता विशिष्ट अतिथि थे। उल्लेखनीय है कि रमेश गोयल पर्यावरण व जल संरक्षण के समर्पित कार्यकर्ता है।

रमेश गोयल जेम ऑफ इंडिया अवार्ड से हुए सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 28 जुलाई। पर्यावरणविद एवं जल स्टार रमेश गोयल को आल इंडिया अचीवर्स कान्फ्रेंस द्वारा पर्यावरण व जल संरक्षण क्षेत्र में जेम आफ इंडिया अवार्ड से उनके व्यक्तिगत कार्य के फलस्वरूप संस्था के नई दिल्ली में आयोजित 80वें नेशनल सेमिनार में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय टैक्सटाइल राज्य मन्त्री जय टमटा मुख्य अतिथि थे और अध्यक्षता विख्यात फिल्म स्टार रजा मुराद ने की। वरिष्ठ कार्डियोलोजिस्ट डॉ. केके कपूर, डॉ. जय प्रकाश शर्मा, डा. जय मदान, फिल्म अभिनेता अवतार गिल, अनुराग मुस्कान, पूर्णिमा मिश्रा, गुग्गल ब्वाय कोटिल्य के पिता, विशिष्ठ अतिथि थे। अचीवर्स कान्फ्रेंस देश-विदेश के प्रतिभावान व समाज सेवियों को विशेष उपलब्धि के लिए सम्मानित करती रहती है और इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 25 लोगों को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि गोयल पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए एक समर्पित कार्यकर्ता हैं

और मिशनरी भाव से कार्य करते हैं। वरिष्ठ नागरिक, प्रतिष्ठित आयकर व्यवसायी रमेश गोयल आज एक नाम बन गया है जल बचत अभियान का, पर्याय है जल संरक्षण कार्य का, मिशन है जल सम्बन्धी जन जागरण का। अखबारों में जल संकट के लेख पढ़ते पढ़ते सोचा कि इस संभावित भयावह स्थिति से बचाने में देश व समाजा के लिए मैं क्या कर सकता हूं और 2008 में 60 वर्ष की आयु में लग गए जल बचत जागरूकता अभियान में। अब तक 3 लाख विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष रूप से जल की महता, कमी के कारण, बर्बादी कैसे व बचत क्यों और कैसे तथा पर्यावरण के विषय में बता चुके हैं। इनके द्वारा रचित जल चालीसा की 35 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और फेसबुक, यू ट्यूब, याहु, गुग्गल आदि पर शेयरिंग के माध्यम से 5 लाख लोगों से अधिक भेज चुके हैं। उनके द्वारा लिखी पुस्तक 'बिन पानी सब सून' का विमोचन 8 मई 2010 को हरियाणा के राज्यपाल जगननाथ पहाड़िया द्वारा किया गया। उनकी इसी लग्न व निष्ठा के फलस्वरूप ही उन्हें दिसम्बर 2011 में केन्द्रीय भू-जल बोर्ड की सात सदस्यीय जिला सलाहकार कमेटी का एक मात्र गैर सरकारी सदस्य मनोनीत किया गया तथा अप्रैल 2013 से अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद् द्वारा उन्हें राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण तथा 1-4-15 से राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण मनोनीत किया गया।

SHREE श्री

़ जल दोस्त

ाई 'नहर नगरी' की प्यास

के बिना
ो लेकर
से जल
रहे हैं।
जा रहे
नाम से
ूर्व घटी
भाटिया
पानी के
मॉडल
रहा था।
बर्बादी
ी उनसे
ड़ पड़े।
कर दी
ने लिया
सिंह ने
यान में
बल्कि
यों के
लों पर
र लोगों
ना और
टोहाना
जर रहे
ज्यादा
क यदि
ाते हैं।

टोहाना में जल संरक्षण के बारे में पर्चे बांटकर सचेत करते नवल सिंह। जागरण

कई बार हुए सम्मानित

नवल सिंह द्वारा जल संरक्षण को लेकर चलाए गए अभियान को लेकर जहां निवर्तमान कृषि मंत्री परमवीर सिंह ने सम्मानित किया। वहीं तत्कालीन एसडीएम तिलक राज ने, वर्ष 2009 में एसडीएम योगेश मेहता, वर्ष 2010 में एसडीएम अश्विनी मैंगी भी सम्मानित कर चुके हैं। वहीं एक संस्था द्वारा उन्हें जल स्टार अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

बहुत से लोगों को ऐसे मंच की तलाश होती है जहां से वे एक आह्वान पर सेवा कार्यों में जुट जाएं।

उनका कहना है कि टोहाना नहरों की नगरी होते हुए भी प्यासी रहती है। उन्होंने बताया कि लोगों द्वारा पानी को बेकार में बहाने के अलावा जमीन के पानी का दोहन किए जाने के कारण टोहाना क्षेत्र डार्क जोन में हैं। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

खुद पंचायत ने लिया निर्णय

जल की बर्बादी को देख पंचायत ने खुद के स्तर पर निर्णय लिया कि प्रत्येक घर में टोंटी लगाई जाएगी। साथ ही वाटर सप्लाई की पाइप लाइन को भी तत्काल प्रभाव से दुरुस्त करवाया जाएगा। फिर क्या था। पंचायत ने अपने खर्च पर टोंटियां खरीदी। प्लंबर बुलवाए। साथ ही घरों और उसके बाहर लगे कनेक्शन में टोंटियां लगाने का काम शुरू कर दिया। इस काम को अंजाम तक पहुंचाने में चालीस हजार रुपये से अधिक खर्च हो गए।

ूंद भी

प्रयास
ो खूब
न को
उसमें
गातार
ाल हो

या नहीं हो। पानी घरों व गलियों के नालों में बह रहा था। इससे प्रत्येक दिन करीब आठ हजार लीटर पानी की बर्बादी हो रही थी। इस काम को अंजाम तक पहुंचाने में डेढ़ वर्ष लग गए।

जल संकट की टीस से रच दिया जल चालीसा

नवीन कुमार, सिरसा

रमेश गोयल को जल संकट की टीस तो बचपन से ही थी। बड़ा होने पर अखबारों और पुस्तकों ने पूरी तरह इसे झकझोर दिया था। जल संकट के एक एक लेख ने ऐसा झकझोरा कि उन्होंने न खाना खाया और न ही पानी पीया। बस आखों से नीर टपकता रहा। उस दिन से जल की बूंदों को संयोजने का संकल्प लिया और आज भी इस मुहिम में जुटे हैं। आज शायद ही कोई राज्य हो जो इनके द्वारा रचित जल चालीसा व बिन पानी सब सून पुस्तक अपना जल बचाओ का संदेश न दे रही हो।

रमेश गोयल पेशे से आयकर मामलों के अधिवक्ता है। पिछले आठ सालों से वह जल बचाओ मुहिम में पूरी तरह तन, मन और धन से जुटे हुए हैं। अब जल बचत जागरूकता उनकी जिंदगी का मिशन बन चुका है। ट्रेन हो या बस, रेलवे स्टेशन हो या बस अड्डा, स्कूल हो या कालेज हर जगह पंफलेट बांटते दिखाई देते है।

जल जागरूकता मिशन के तहत घूम-घूम कर अब तक दो लाख इश्तहार बांट चुके हैं। वह बताते हैं कि जल बचाव उनका मिशन है। वह बताते है कि इसकी शुरूआत तो बचपन में ही हो गया था। एक दिन वह एक अखबार पढ़ रहे थे। जल संकट ने उन्हें पूरी तरह झकझोर दिया। उन्होंने संकल्प किया कि जल बचाव की मुहिम में वे पूरी तरह अपने आप को समर्पित कर देंगे। 2008 में जल बचत जागरूकता को मिशन के रूप में चलाने का फैसला लिया। शुरूआत में शिक्षण संस्थानों में जा जाकर गोयल ने बच्चों को जल बचाव के बारे में जागरूक करने लगे। अब तक वे लगभग एक लाख स्कूली बच्चों को प्रत्यक्ष रूप से जल बचत का संदेश दे चुके हैं। वर्ष 2009 में पंफलेट छपवाये। अब तक दो लाख पंप लेट बांटे जा चुके हैं। इसी मुहिम में 2010 में उन्होंने 'बिन पानी सब सून' किताब लिखी। जिसमें पानी की बचत के बारे में विस्तार से बताया। वर्ष 2010 में जलविद्युत बचत अभियान चलाया। दो दिसंबर 2012 को जल जागरूकता दिवस के अवसर पर जल चालीसा लिखी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने इसका विमोचन किया। गोयल बताते हैं कि किताब की छह हजार व जल चालीसा की साढ़े चार हजार प्रतियां लोगों को निशुल्क वितरित की गई।

पानी बचत जागरूकता के लिए सक्रियता को देखते हुए उन्हें केंद्रीय जल बोर्ड की जिला सलाहकार समिति का सदस्य बनाया गया है।

जल संरक्षण का संदेश देते जल चालीसा रचने वाले रमेश गोयल। जागरण

टिप्स के माध्यम से लोगों को दी जा रही जानकारी

- फ्लश में पानी की टंकी का साइज निर्धारित किया जाए
- वाशिंग मशीन में पाइप से कपड़े खंगालने का सिस्टम बंद हो
- यादा पानी इस्तेमाल करने वालों पर अधिक शुल्क लगे
- सर्विस स्टेशन व पानी का व्यावसायिक इस्तेमाल करने वाले प्रतिष्ठान जल रिचार्ज करें।
- वर्षा जल संग्रहण प्रोत्साहित हो। अधिकाधिक तालाब बने
- नलकूप लगाने से पहले भूजल विभाग की अनुमति जरूरी हो

दैनिक जागरण
www.jagran.com

ड़े जल दोस्त

ाई 'नहर नगरी' की प्यास

के बिना
ो लेकर
से जल
र रहे हैं।
जा रहे
नाम से
ूर्व घटी
भाटिया
पानी के
मॉडल
रहा था।
बर्बादी
ी उनसे
ड़ पड़े।
कर दी
ने लिया
सिंह ने
यान में
बल्कि
ियों के
ालों पर
र लोगों
ना और
टोहाना
जर रहे
ज्यादा
क यदि
ाते हैं।
ूंद भी
प्रयास
ो खूब
न को
उसमें
गातार
ाल हो

टोहाना में जल संरक्षण के बारे में पर्चे बांटकर सचेत करते नवल सिंह। जागरण

कई बार हुए सम्मानित

नवल सिंह द्वारा जल संरक्षण को लेकर चलाए गए अभियान को लेकर जहां निवर्तमान कृषि मंत्री परमवीर सिंह ने सम्मानित किया। वहीं तत्कालीन एसडीएम तिलक राज ने, वर्ष 2009 में एसडीएम योगेश मेहता, वर्ष 2010 में एसडीएम अश्विनी मैंगी भी सम्मानित कर चुके हैं। वहीं एक संस्था द्वारा उन्हें जल स्टार अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

बहुत से लोगों को ऐसे मंच की तलाश होती है जहां से वे एक आह्वान पर सेवा कार्यों में जुट जाएं।

उनका कहना है कि टोहाना नहरों की नगरी होते हुए भी प्यासी रहती है। उन्होंने बताया कि लोगों द्वारा पानी को बेकार में बहाने के अलावा जमीन के पानी का दोहन किए जाने के कारण टोहाना क्षेत्र डार्क जोन में हैं। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

खुद पंचायत ने लिया निर्णय

जल की बर्बादी को देख पंचायत ने खुद के स्तर पर निर्णय लिया कि प्रत्येक घर में टोंटी लगाई जाएगी। साथ ही वाटर सप्लाई की पाइप लाइन को भी तत्काल प्रभाव से दुरुस्त करवाया जाएगा। फिर क्या था। पंचायत ने अपने खर्च पर टोंटियां खरीदी। पलंबर बुलवाए। साथ ही घरों और उसके बाहर लगे कनेक्शन में टोंटियां लगाने का काम शुरू कर दिया। इस काम को अंजाम तक पहुंचाने में चालीस हजार रुपये से अधिक खर्च हो गए।

या नहीं हो। पानी घरों व गलियों के नालों में बह रहा था। इससे प्रत्येक दिन करीब आठ हजार लीटर पानी की बर्बादी हो रही थी। इस काम को अंजाम तक पहुंचाने में डेढ़ वर्ष लग गए।

जल संकट की टीस से रच दिया जल चालीसा

नवीन कुमार, सिरसा

रमेश गोयल को जल संकट की टीस तो बचपन से ही थी। बड़ा होने पर अखबारों और पुस्तकों ने पूरी तरह इसे झकझोर दिया था। जल संकट के एक एक लेख ने ऐसा झकझोरा कि उन्होंने न खाना खाया और न ही पानी पीया। बस आखों से नीर टपकता रहा। उस दिन से जल की बूंदों को संयोजने का संकल्प लिया और आज भी इस मुहिम में जुटे हैं। आज शायद ही कोई राज्य हो जो इनके द्वारा रचित जल चालीसा व बिन पानी सब सून पुस्तक अपना जल बचाओ का संदेश न दे रही हो।

रमेश गोयल पेशे से आयकर मामलों के अधिवक्ता है। पिछले आठ सालों से वह जल बचाओ मुहिम में पूरी तरह तन, मन और धन से जुटे हुए हैं। अब जल बचत जागरूकता उनकी जिंदगी का मिशन बन चुका है। ट्रेन हो या बस, रेलवे स्टेशन हो या बस अड्डा, स्कूल हो या कालेज हर जगह पंफलेट बांटते दिखाई देते है।

जल जागरूकता मिशन के तहत घूम-घूम कर अब तक दो लाख इश्तहार बांट चुके हैं। वह बताते हैं कि जल बचाव उनका मिशन है। वह बताते है कि इसकी शुरूआत तो बचपन में ही हो गया था। एक दिन वह एक अखबार पढ़ रहे थे। जल संकट ने उन्हें पूरी तरह झकझोर दिया। उन्होंने संकल्प किया कि जल बचाव की मुहिम में वे पूरी तरह अपने आप को समर्पित कर देंगे। 2008 में जल बचत जागरूकता को मिशन के रूप में चलाने का फैसला लिया। शुरूआत में शिक्षण संस्थानों में जा जाकर गोयल ने बच्चों को जल बचाव के बारे में जागरूक करने लगे। अब तक वे लगभग एक लाख स्कूली बच्चों को प्रत्यक्ष रूप से जल बचत का संदेश दे चुके हैं। वर्ष 2009 में पंफलेट छपवाये। अब तक दो लाख पंप लेट बांटे जा चुके हैं। इसी मुहिम में 2010 में उन्होंने 'बिन पानी सब सून' किताब लिखी। जिसमें पानी की बचत के बारे में विस्तार से बताया। वर्ष 2010 में जलविद्युत बचत अभियान चलाया। दो दिसंबर 2012 को जल जागरूकता दिवस के अवसर पर जल चालीसा लिखी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने इसका विमोचन किया। गोयल बताते हैं कि किताब की छह हजार व जल चालीसा की साढ़े चार हजार प्रतियां लोगों को निशुल्क वितरित की गई।

पानी बचत जागरूकता के लिए सक्रियता को देखते हुए उन्हें केंद्रीय जल बोर्ड की जिला सलाहकार समिति का सदस्य बनाया गया है।

जल संरक्षण का संदेश देते जल चालीसा रचने वाले रमेश गोयल। जागरण

टिप्स के माध्यम से लोगों को दी जा रही जानकारी

- फ्लश में पानी की टंकी का साइज निर्धारित किया जाए
- वाशिंग मशीन में पाइप से कपड़े खंगालने का सिस्टम बंद हो
- यादा पानी इस्तेमाल करने वालों पर अधिक शुल्क लगे
- सर्विस स्टेशन व पानी का व्यावसायिक इस्तेमाल करने वाले प्रतिष्ठान जल रिचार्ज करें।
- वर्षा जल संग्रहण प्रोत्साहित हो। अधिकाधिक तालाब बने
- नलकूप लगाने से पहले भूजल विभाग की अनुमति जरूरी हो

जिले में सही देखभाल के बगैर सड़क किनारे लगे कई वृक्ष सूख चुके हैं। पर्यावरण संरक्षण का सही उद्देश्य ऐसे वृक्षों को बचाने की मुहिम है।

जल चालीसा से जल बचाने का संदेश दे रहा बुजुर्ग

जागरण संवाददाता, सिरसा : शहर का एक वरिष्ठ नागरिक रमेश गोयल जल दूत बनकर लोगों को जल बचाने का पाठ पढ़ा रहा है। 67 साल की उम्र में भी उनकी लगन कम नहीं हुई है। घर घर में जल बचाने का संदेश पहुंचाने के लिए रमेश गोयल ने पूरी जल चालीसा ही लिख दी है। अब हर मंच से वो सिर्फ जल बचाने की ही बात करते हैं। समाचार पत्रों में जल संकट के लेख पढ़ते-पढ़ते गोयल का मन भी विचलित हुआ और उन्होंने जल दोहन को रोकने और जल संरक्षण की मुहिम चलाने का फैसला लिया। इसीलिए 2008 में 60 वर्ष की उम्र में 'जल बचत जागरूकता अभियान' छेड़ दिया। अब तक देश-प्रदेश की करीब 250 शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में जाकर हजारों विद्यार्थियों को जल बचाने की प्रेरणा दी है। साथ ही ढाई लाख विज्ञप्तियां छपवाकर विद्यार्थियों व संस्थाओं के माध्यम से उनके परिवारों में वितरित कर चुके हैं। 700 से अधिक जल बचत प्रेरक बैनर शिक्षण संस्थानों, मंदिरों व सार्वजनिक स्थानों पर लगवा चुके हैं और निरंतर लगवा रहे हैं।

छह संस्करणों में प्रकाशित हुई जल चालीसा

रमेश गोयल पर जल बचत की धुन का ही असर है कि अब तक छह संस्करणों में जल चालीसा की 30 हजार प्रतियां प्रकाशित करवा चुके हैं। जल चालीसा के प्रथम संस्करण का विमोचन 24 अप्रैल 2012 को तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया था। अब इस जल चालीसा का सोशल मीडिया के जरिये प्रचार-प्रसार चल रहा है।

एडवोकेट रमेश गोयल कार्यक्रम में संबोधित करते हुए। फाइल फोटो

करवाएगा। इसके लिए प्रशासन द्वारा जागरूकता सेमिनार का भी आयोजन किया जाएगा।

यहां की गंगौत्री के हालात सुधारने की होगी पहल

पर्यावरण संरक्षण क समझते हुए प्रशास घग्घर नदी को सुध दिशा में कदम बढ़ा साथ ही नदी के लि से सीवरेज ट्रीटमेंट बनाए जाएंगे। इन प साफ होकर ही नदी आएगी। पहले की त घग्घर नदी दूषित ए नजर नहीं आएगी। ही उक्त नदी की क करती लहरें आमज मोहित करेंगी। वर्ष में उम्मदी की जा स कि प्रशासन के साथ जन भी अपनी इस संरक्षण का प्रयास क

वेस्ट मैटीरियल से बनाई बेस्ट वस्तुएं

संवाद सूत्र, ऐलनाबाद : ममेरां रोड स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जारी सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के तीसरे दिन रविवार को स्वयंसेविकाओं ने श्रमदान किया। शिविर प्रभारी इंदू शर्मा व सरोज बाला के निर्देशन में स्वयंसेवी छात्राओं ने प्रार्थना सभा के बाद स्कूल प्रांगण में लगाए गए पेड़-पौधों में कटाई-छंटाई, निराई, गुड़ाई व सिंचाई कर उनमें खाद एवं जरुरी कीटनाशक का छिड़काव किया। दोपहर बाद छात्राओं ने वेस्ट मैटीरियल जिसमें प्लास्टिक की खाली बोतलें, टूटे हुए कप, प्लेटें, टूटी हुई कांच की चूड़ियां, ऊन के टुकड़े आदि से घर के साजो सामान जैसे गुलदस्ते, आर्टिफिशियल फूल, झालर आदि जरुरी सामान बनाकर बेकार की चीजों को महत्वपूर्ण सामान में बदला। इसके बाद छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। इस मौके पर सुरेश कुमार, आशा कुमारी, राज सचदेवा, ऊषा मेहता आदि उपस्थित थे।

खेलकूद : भारत की ओर से खेलते हुए नचिकेतन स्कूल में 13 विद्यार्थियों ने

इन्डो-नेपाल कप के विजेताओं

संवाद सूत्र, ऐलनाबाद : ममेरां बाईपास रोड स्थित नचिकेतन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने अर्न्तराष्ट्रीय इन्डो-नेपाल खेलकूद प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 13 गोल्ड व 2 सिल्वर मैडल जीते हैं।

स्कूल निदेशक एलडी जेना ने बताया कि नेपाल के बेहरवा सिद्धार्थ रंगशाला में हुए दूसरे इन्डो-नेपाल गोल्डन कप टूर्नामेंट के तीन दिवसीय खेल समारोह में एनपीएस के 15 बच्चों ने भारत की टीम में जगह बनाकर भाग लिया। भारत की रस्साकस्सी (टग ऑफ

को शिकायत भी दी है। इस बारे में बाढड़ा के वन रक्षिक अधिकारी ओमप्रकाश शर्मा से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि वे अभी बाहर हैं और कार्यालय पहुंच कर मामले की जांच करेंगे। अगर इस तरह की घटना हुई है तो वे सारे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करेंगे।

अगले 48 घंटे में हो सकती है बारिश

पल पल न्यूज: चंडीगढ़, 3 जनवरी। बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए अच्छी खबर है। 4 जनवरी से हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार भूमध्य सागर से उठने वाली हवाओं के बाद अब पश्चिमी विक्षोभ बन गया है, जिस कारण अगले 48 से 72 घंटों में बारिश की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ दिसंबर से फरवरी के बीच प्रतिमाह तीन से चार की संख्या में बनते हैं। नवंबर, मार्च, अप्रैल में यह संख्या दो से तीन होती है। मई व जून में भी कभी-कभी बनता है। बाद में दक्षिणी पश्चिमी मानसून से ही ज्यादा बारिश होती है। 15 सितंबर के बाद यह विक्षोभ चला जाता है। इस बार जितने भी पश्चिमी विक्षोभ बने वे कमजोर थे लेकिन अब जो विक्षोभ बना है, वह बेहद प्रबल है, जिससे बारिश की उम्मीद जगी है।

गोयल ने नव वर्ष पर दिया बिजली व ऊर्जा बचाने का संदेश

पल पल न्यूज: सिरसा, 3 जनवरी। प्रतिष्ठित एवं वरिष्ठ आयकर व्यवसायी तथा भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण रमेश गोयल ने बिक्रीकर बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित नववर्ष अभिनन्दन कार्यक्रम में नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ बिजली व उर्जा बचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट सुरेंद्र बंसल ने की जबकि बार सदस्य व अधिवक्ता उपस्थित थे। अपने जन जागरण अभियान में उन्होंने उपस्थित सदस्यों से ही नहीं जन साधारण से भी अपील की है कि बड़े बल्बों की बजाय एलईडी बल्बों का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि 'बूंद बूंद से घट भरता है' का ध्यान करें और टीवी, कम्प्यूटर, लैपटॉप, चार्जर यूपीएस, प्रिन्टर आदि का जब प्रयोग ना हो, मुख्य बटन से बन्द करें। उन्होंने कहा कि ऊपर से विद्युत सप्लाई जारी रहने से बिजली की कुछ खपत होती रहती है जिससे सैकड़ों यूनिट वर्ष भर में बिना कारण बर्बाद हो जाते हैं और हजारों रूपया वार्षिक बिल भी बढ़ता है। कभी कभी रात को चार्जिंग पर लगे मोबाइल की बैटरी गर्म होकर फट जाती है और दुर्घटना का कारण बनती है। यह न सोचे कि मेरे एक से क्या फर्क पड़ता है। यदि हम मिलकर ध्यान करेंगे तो करोड़ों यूनिट बिजली की बचत होगी और अरबों रूपया बचेगा। गोयल ने अपील की है कि छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर हम देश के संसाधनों को व अपने धन को बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश व समाज को आगे बढ़ाने में अपना अमूल्य सहयोग करें। पर्यावरण सुधार व निरन्तर बढ़ते तापमान को रोकने में इससे सहायता मिलेगी। उन्होंने सौर उर्जा उपकरणों का प्रयोग बढ़ाने का भी अनुरोध किया और कहा कि इस वर्ष दिसम्बर में सर्दी न होना शुभ संकेत नहीं है बल्कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव है जो पूरे विश्व के लिए चिन्तनीय है।

रन फॉर स्ट्रेंथ मै

पल पल न्यूज: रतिया, 3 जनवरी (राजेन्द्र मितल)। अग्रवाल वैश्य समाज युवा इकाई एवं अग्रवाल वैश्य स्टूडेंट आर्गेनाइजेशन की ओर से 12 जनवरी को फरीदाबाद में रन फॉर स्ट्रेंथ मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। सिरसा लोकसभा अध्यक्ष कपिल सिंगला ने बताया कि राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर होने वाली इस मैराथन दौड़ में प्रदेशभर के हजारों युवा भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि आज की युवा पीढ़ी बुरी आदतों से की शिकार होती जा रही है। जि अप्रिय घटनाएं घ

प्रदेश के 11 जिलों में

पल पल न्यूज: चंडीगढ़, 3 जनवरी। हरियाणा में पंचायत चुनाव के पहले चरण में 11 जिलों से अब तक प्राप्त सूचना के अनुसार 26 ग्राम पंचायतें निर्विरोध चुनी गई हैं, जिनमें कुरुक्षेत्र में सबसे अधिक 11 ग्राम पंचायतें निर्विरोध चुनी गई हैं। हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त राजीव शर्मा ने बताया कि झज्जर में 134 ग्राम पंचायतों में से दो ग्राम पंचायतें निर्विरोध चुनी गई। इसी प्रकार, करनाल में 141 में से दो ग्राम पंचायतें, कुरूक्षेत्र की 168 ग्राम पंचायतों में 11 ग्राम पंचायतें, पंचकूला की 62 ग्राम पंचायतों में से 6 ग्राम पंचायतें, सोनीपत में 122 ग्राम पंचायतों में से एक ग्राम पंचायत और रेवाडी में 1 से 4 ग्राम पंचाय गया है। उन्होंने ब जींद, हिसार, महे में अब तक प्राप्त कोई भी ग्राम पंचा नहीं चुनी गई। इ प्राप्त सूचना के अ को पंचायत चुना चुना गया है, जिस से दो, करनाल में कुरूक्षेत्र में 168 में 62 में से 8, से दो, रेवाडी में 116 में तीन, ज हिसार में 118 में में 68 में से दो

ग्राम सचिव नरे

पल पल न्यूज: रतिया, 3 जनवरी (राजेन्द्र मितल के ग्राम सचिवों की एक चुनावी बैठक जिला प्रधान अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । बैठक में मौजूद रतिया ब्ल सचिवों ने रतिया ग्राम एसोसिएशन का गठन करते ह ग्राम सचिव नरेश कुमार फोजी को रतिया ब्ल एसोसिशन का अध्यक्ष बनाया गया । वहीं नवनिर्व कुमार फोजी ने कहा की उसे जो रतिया क्षेत्र के

फतेहाबाद-सिरसा संस्करण

अपराधों पर लगाम कसे पुलिस

पल पल न्यूज: हांसी, 22 जुलाई। विधायक रेनुका बिश्नोई ने कहा कि पुलिस प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली से हांसी में कानून व्यवस्था की स्थिति जर्जर हो चुकी है। शहर में निरंतर चोरी, डकैती, लूटपाट, मर्डर की घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही हैं। विधायक ने कहा कि इंदिरा कालोनी वासी कमला देवी की मौत की गुत्थी भी पुलिस अभी तक सुलझा नहीं पाई है, जबकि परिजन इस बारे में कई बार उच्चाधिकारियों से मिल चुके हैं। पुलिस प्रशासन की नकारा कार्यप्रणाली से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

रमेश गोयल अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से होंगे सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 22 जुलाई। पर्यावरण व जल संरक्षण अभियान चलाने वाले समाजसेवी एडवोकेट रमेश गोयल को ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रैंस द्वारा अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से सम्मानित किया जाएगा। 'व्यक्तिगत उपलब्धि तथा राष्ट्र निर्माण' के थीम पर आधारित यह अवार्ड समारोह 27 जुलाई को सुबह साढ़े 10 बजे नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित किया जाएगा। रमेश गोयल को यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण तथा जल बचत के लिए चलाए गए अभियान में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए दिया जाएगा। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय टैक्सटाइल मंत्री अजय तमता रमेश गोयल को अवार्ड देकर सम्मानित करेंगे। गौरतलब है कि ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रैंस देश भर के ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष अवार्ड समारोह आयोजित करती है, जिसमें पर्यावरण, जल बचत, शिक्षा, समाजसेवा, पौधारोपण आदि के संबंध में उल्लेखनीय कार्य करते हों। इसके चेयरमैन डा. एचबी चतुर्वेदी, वाईस चेयरपर्सन डा. जानसी दरबारी हैं तो सलाहकार समिति में फिल्म अभिनेता सुरेश ऑबरोय, रजा मुराद, अनिल धवन, पेनाज मिसानी, राकेश बेदी, मुकेश रिशी, अवतार गिल, ज्यूरी सदस्यों में रजा मुराद, डा. केके कपूर, अनुराग, डा. जय मदान आदि शामिल हैं।

महाशिवरात्रि की तैयारियों में जुटे कुटिया के सेवक

पल पल न्यूज: सिरसा, 22 जुलाई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पर्व पर 'नानी बाई रो मायरो' एवं 'शिव कथा' की तैयारी युद्ध स्तर पर जारी है। श्री बाबा तारा कुटिया में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में हर वर्ष कथा व लंगर भंडारे का आयोजन किया जाता है। श्री बाबा तारा कुटिया के मुख्य सेवक गोबिंद कांडा ने कहा कि इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में 27 से 29 जुलाई तक 'नानी बाई रो मायरो' एवं 30 से 31 जुलाई को 'शिव कथा' आयोजित की जायेगी तथा 1 अगस्त महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में लंगर भंडारा आयोजित किया जाएगा। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर श्री बाबा तारा कुटिया के सेवकों ने कुटिया के मुख्य सेवक गोबिंद कांडा की अगुवाई में सफाई अभियान चलाया।

राज्य स्तरीय जत्था के संबंध में भाकपा ने की बैठक

पल पल न्यूज: भूना, 22 जुलाई। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की केन्द्रीय कमेटी व राज्य कमेटी के जनसंघर्ष आह्वान के तहत शुरू हुआ राज्य स्तरीय जत्था 24 जुलाई को भूना पहुंचेगा। इस दौरान जत्थे द्वारा 24 जुलाई को दोपहर 1 बजे भूना के पटेल पार्क में जनसभा की जाएगी। इसके अलावा 24 जुलाई को ही जत्थे द्वारा सांय 3 बजे गोरखपुर की मेन चौपाल में, साढ़े 4 बजे मेन चौक जाण्डली कलां में, सांय 6 बजे मेन चौक ढाणी सांचला में तथा सांय साढ़े 7 बजे मेन चौक ढाणी गोपाल जनसभाओं और स्वागत की तैयारियों को लेकर पार्टी की तहसील भूना कमेटी की बैठक आज का. रामस्वरूप ढाणी गोपाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में राज्य सचिव मंडल सदस्य रामकुमार जत्थे के स्वागत व सभा के संबंध में कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी। बैठक में ओमप्रकाश अनेजा, धर्मपाल जाण्डली, ओमप्रकाश ढाणी सांचला, मदन लाल, ओमप्रकाश सरबटा,

श्रम विभाग की समय

पल पल न्यूज: सिरसा, 2 जुलाई। प्रशासकीय सुधा विभाग की अधिसूचना 7 म 2015 हरियाणा सेवा क अधिकार अधिनियम 2014 क धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों क प्रयोग करते हुए श्रम विभाग कार्यों, योजनाओं हेतु सम सीमा तय की गई है। य जानकारी देते हुए जिला श्र अधिकारी मनीश ने बताया 1970 ठेका श्रम अधिनियम प्रावधान के तहत ठेकेदारों लिए मुख्य नियोक्ता की स्थाप और लाइसेंस पंजीकरण के लि

हाबाद-सिरसा संस्करण

रमेश गोयल अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से होंगे सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 22 जुलाई। पर्यावरण व जल संरक्षण अभियान चलाने वाले समाजसेवी एडवोकेट रमेश गोयल को ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रेंस द्वारा अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से सम्मानित किया जाएगा। 'व्यक्तिगत उपलब्धि तथा राष्ट्र निर्माण' के थीम पर आधारित यह अवार्ड समारोह 27 जुलाई को सुबह साढ़े 10 बजे नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित किया जाएगा। रमेश गोयल को यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण तथा जल बचत के लिए चलाए गए अभियान में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए दिया जाएगा। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय टैक्सटाइल मंत्री अजय तमता रमेश गोयल को अवार्ड देकर सम्मानित करेंगे। गौरतलब है कि ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रेंस देश भर के ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष अवार्ड समारोह आयोजित करती है, जिसमें पर्यावरण, जल बचत, शिक्षा, समाजसेवा, पौधारोपण आदि के संबंध में उल्लेखनीय कार्य करते हों। इसके चेयरमैन डा. एचबी चतुर्वेदी, वाईस चेयरपर्सन डा. जानसी दरबारी हैं तो सलाहकार समिति में फिल्म अभिनेता सुरेश ऑबरोय, रजा मुराद, अनिल धवन, पेनाज मिसानी, राकेश बेदी, मुकेश रिशी, अवतार गिल, ज्यूरी सदस्यों में रजा मुराद, डा. केके कपूर, अनुराग, डा. जय मदान आदि शामिल हैं।

फतेहाबाद-सिरसा संस्करण

अपराधों पर लगाम कसे पुलिस

पल पल न्यूज: हांसी, 22 जुलाई। विधायक रेनुका बिश्नोई ने कहा कि पुलिस प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली से हांसी में कानून व्यवस्था की स्थिति जर्जर हो चुकी है। शहर में निरंतर चोरी, डकैती, लूटपाट, मर्डर की घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही हैं। विधायक ने कहा कि इंदिरा कालोनी वासी कमला देवी की मौत की गुत्थी भी पुलिस अभी तक सुलझा नहीं पाई है, जबकि परिजन इस बारे में कई बार उच्चाधिकारियों से मिल चुके हैं। पुलिस प्रशासन की नकारा कार्यप्रणाली से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

रमेश गोयल अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से होंगे सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 22 जुलाई। पर्यावरण व जल संरक्षण अभियान चलाने वाले समाजसेवी एडवोकेट रमेश गोयल को ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रैंस द्वारा अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से सम्मानित किया जाएगा। 'व्यक्तिगत उपलब्धि तथा राष्ट्र निर्माण' के थीम पर आधारित यह अवार्ड समारोह 27 जुलाई को सुबह साढ़े 10 बजे नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित किया जाएगा। रमेश गोयल को यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण तथा जल बचत के लिए चलाए गए अभियान में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए दिया जाएगा। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय टैक्सटाइल मंत्री अजय तमता रमेश गोयल को अवार्ड देकर सम्मानित करेंगे। गौरतलब है कि ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रैंस देश भर के ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष अवार्ड समारोह आयोजित करती है, जिसमें पर्यावरण, जल बचत, शिक्षा, समाजसेवा, पौधारोपण आदि के संबंध में उल्लेखनीय कार्य करते हों। इसके चेयरमैन डा. एचबी चतुर्वेदी, वाईस चेयरपर्सन डा. जानसी दरबारी हैं तो सलाहकार समिति में फिल्म अभिनेता सुरेश ऑबरोय, रजा मुराद, अनिल धवन, पेनाज मिसानी, राकेश बेदी, मुकेश रिशी, अवतार गिल, ज्यूरी सदस्यों में रजा मुराद, डा. केके कपूर, अनुराग, डा. जय मदान आदि शामिल हैं।

महाशिवरात्रि की तैयारियों में जुटे कुटिया के सेवक

पल पल न्यूज: सिरसा, 22 जुलाई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पर्व पर 'नानी बाई रो मायरो' एवं 'शिव कथा' की तैयारी युद्ध स्तर पर जारी है। श्री बाबा तारा कुटिया में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में हर वर्ष कथा व लंगर भंडारे का आयोजन किया जाता है। श्री बाबा तारा कुटिया के मुख्य सेवक गोबिंद कांडा ने कहा कि इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में 27 से 29 जुलाई तक 'नानी बाई रो मायरो' एवं 30 से 31 जुलाई को 'शिव कथा' आयोजित की जायेगी तथा 1 अगस्त महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में लंगर भंडारा आयोजित किया जाएगा। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर श्री बाबा तारा कुटिया के सेवकों ने कुटिया के मुख्य सेवक गोबिंद कांडा की अगुवाई में सफाई अभियान चलाया।

राज्य स्तरीय जत्था के संबंध में भाकपा ने की बैठक

पल पल न्यूज: भूना, 22 जुलाई। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की केन्द्रीय कमेटी व राज्य कमेटी के जनसंघर्ष आह्वान के तहत शुरू हुआ राज्य स्तरीय जत्था 24 जुलाई को भूना पहुंचेगा। इस दौरान जत्थे द्वारा 24 जुलाई को दोपहर 1 बजे भूना के पटेल पार्क में जनसभा की जाएगी। इसके अलावा 24 जुलाई को ही जत्थे द्वारा सांय 3 बजे गोरखपुर की मेन चौपाल में, साढ़े 4 बजे मेन चौक जाण्डली कलां में, सांय 6 बजे मेन चौक ढाणी सांचला में तथा सांय साढ़े 7 बजे मेन चौक ढाणी गोपाल जनसभाओं और स्वागत की तैयारियों को लेकर पार्टी की तहसील भूना कमेटी की बैठक आज का. रामस्वरूप ढाणी गोपाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में राज्य सचिव मंडल सदस्य रामकुमार जत्थे के स्वागत व सभा के संबंध में कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी। बैठक में ओमप्रकाश अनेजा, धर्मपाल जाण्डली, ओमप्रकाश ढाणी सांचला, मदन लाल, ओमप्रकाश सरबटा,

श्रम विभाग की समय

पल पल न्यूज: सिरसा, 2 जुलाई। प्रशासकीय सुधा विभाग की अधिसूचना 7 म 2015 हरियाणा सेवा क अधिकार अधिनियम 2014 क धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों क प्रयोग करते हुए श्रम विभाग कार्यों, योजनाओं हेतु सम सीमा तय की गई है। य जानकारी देते हुए जिला श्र अधिकारी मनीश ने बताया 1970 ठेका श्रम अधिनियम प्रावधान के तहत ठेकेदारों लिए मुख्य नियोक्ता की स्थाप और लाइसेंस पंजीकरण के लि

60 की उम्र में उठाया जल बचाने का बीड़ा

- जल बचत अभियान का नाम बन गया रमेश गोयल
- ट्रेन हो या फिर बस बात सिर्फ जल बचत की

हरिभूमि न्यूज. हिसार

शहर के आयकर व्यवसायी रमेश गोयल एक दशक से जल बचत अभियान का नाम बन गया है। पर्याय है जल संरक्षण कार्य का, मिशन है जल संबंधी जन जागरण का। समाचार पत्रों में जल संकट के लेख पढ़ते पढ़ते रमेश गोयल ने सोचा कि इस संभावित भयावह स्थिति से बचाने में देश व समाज के लिए ''मैं क्या कर सकता हूं'' और 2008 में 60 वर्ष की आयु में लग गए ''जल बचत जागरुकता अभियान'' में। देश की लगभग 250 शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में जा कर विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष रूप से तथा 35-40 लाख लोगों को टीवी, रेडियो व समाचार पत्रों के माध्यम से जल बचत हेतु प्रेरित कर चुके हैं। 2.5 लाख विज्ञप्तियां विद्यार्थियों व संस्थाओं के माध्यम से उनके परिवारों में वितरित कर चुके हैं।

2 गुणा 3 फुट के 700 से अधिक जल बचत प्रेरक बैनर शिक्षण संस्थानों, मंदिरों व सार्वजनिक स्थानों पर लगवा चुके हैं और निरंतर लगवाए जा रहे हैं। आयकर व्यवसायी रमेश गोयल को जल

बचत की इतनी धुन सवार हुई कि उन्होंने जल चालीसा ही लिख डाली और उनकी अब तक छः संस्करणों में 30 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। फेसबुक पर ग्रुप शेयरिंग के माध्यम से 5 लाख से अधिक लोगों को 'जल चालीसा' भेजी और हजारों लोगों को ई-मेल की है। 'जल ही जीवन है' को मिशन मान रहे गोयल जल बचत जागरुकता प्रचार के लिए हर समय व हर स्थान पर पहुंचने को तत्पर रहते हैं। संस्था ने जल संरक्षण के प्रति उनकी लग्न को देखते हुए 2011 में जल स्टार अवार्ड से सम्मनित किया। दिसम्बर 2011 में केंद्रीय भू-जल बोर्ड की सात सदस्यीय जिला सलाहकार कमेटी का एक मात्र गैर सरकारी सदस्य मनोनीत किया गया। मई 2015 में हरियाणा की सामाजिक संस्था अखिल भारतीय प्रतिमा रक्षा सम्मान समिति द्वारा 'डायमंड आफ इंडिया अवार्ड' से सम्मानित किया गया। अक्टूबर 2015 में राजस्थान की प्रतिष्ठित संस्था प्राइम टाइम इंडिया द्वारा सोशल जस्टिस बैस्ट मैन अवार्ड' दिया गया। रमेश गोयल ने अपने आप को केवल अपने शहर, जिला व प्रदेश तक ही इस अभियान को लेकर सीमित नहीं रखा, बल्कि देश के जिस भी कोने में जाने का मौका मिला, जल संकट के प्रति उनका दर्द वहां भी देखने को मिला और दूसरे प्रदेशों में भी वे इस मशाल को लेकर आगे बढ़े। हरियाणा व दिल्ली ही नहीं बल्कि गोहाटी जाते हुए राजधानी एक्सप्रेस हो या चैन्नई जाते दुरंतो एक्सप्रेस या उज्जैन के लिए उज्जैई एक्सप्रेस, वाराणसी शिवगंगा हो या दिल्ली-सिरसा किसान एक्सप्रेस, गोहाटी-दिल्ली हवाई यात्रा हो या चेन्नई-दिल्ली, जल बचत विज्ञप्तियां व जल चालीसा बांटने में गोयल कभी भी नहीं चूकते। गोयल रामेश्वरम् गए वहां भी होली आइसलैंड मैट्रीकुलेशन स्कूल तथा केंदीय विद्यालय के विद्यार्थियों को जल बचत की अनिवार्यता बताई।

मैट्रो ट्रेन में भी बांट दिए 20 जल चालीसा

शहर में जल स्टार के नाम से फैमस रमेश गोयल की जल संकट के प्रति आमजन को किए जा रहे जागरुकता की मशाल निरंतर आगे बढ़ रही है। 22 अप्रैल को दिल्ली गए रमेश गोयल ने मैट्रो में भी चलते-चलते 20-22 जल चालीसा बांट दिए। रमेश गोयल का कहना है कि उन्हें इस बात की कतई झिझक नहीं है कि वे ट्रेन में दूसरे प्रदेशों में सफर करते हुए अनजान व्यक्ति को भी जल संकट के प्रति अवगत करवा रहे हैं। उनका मानना है कि किसी भी काम को आगे बढ़ाने के लिए केवल आम जनमानस को एक बार मशाल हाथ में पकड़वाने की जरूरत है फिर उसकी लौ निरंतर जलने से कोई नहीं रोक सकता।

रमेश गोयल अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से होंगे सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 22 जुलाई। पर्यावरण व जल संरक्षण अभियान चलाने वाले समाजसेवी एडवोकेट रमेश गोयल को ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रैंस द्वारा अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से सम्मानित किया जाएगा। 'व्यक्तिगत उपलब्धि तथा राष्ट्र निर्माण' के थीम पर आधारित यह अवार्ड समारोह 27 जुलाई को सुबह साढ़े 10 बजे नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित किया जाएगा। रमेश गोयल को यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण तथा जल बचत के लिए चलाए गए अभियान में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए दिया जाएगा। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय टैक्सटाइल मंत्री अजय तमता रमेश गोयल को अवार्ड देकर सम्मानित करेंगे। गौरतलब है कि ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रैंस देश भर के ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष अवार्ड समारोह आयोजित करती है, जिसमें पर्यावरण, जल बचत, शिक्षा, समाजसेवा, पौधारोपण आदि के संबंध में उल्लेखनीय कार्य करते हों। इसके चेयरमैन डा. एचबी चतुर्वेदी, वाईस चेयरपर्सन डा. जानसी दरबारी हैं तो सलाहकार समिति में फिल्म अभिनेता सुरेश ऑबरोय, रजा मुराद, अनिल धवन, पेनाज मिसानी, राकेश बेदी, मुकेश रिशी, अवतार गिल, ज्यूरी सदस्यों में रजा मुराद, डा. केके कपूर, अनुराग, डा. जय मदान आदि शामिल हैं।

जाने की इच्छा न होना और बुरा है।

अफ्रीकी कहावत

दैनिक भास्कर

हरियाणा

कुल पृष्ठ 16+4+4=24 | मूल्य ₹ 5.00 (नवरंग आज)

dainikbhaskar.com | हिसार | शनिवार, 30 अप्रैल, 2016, वैशाख, कृष्ण पक्ष-अष्टमी, 2073

बढ़ा

चांदी
बढ़ी

डॉलर
पिछला

यूरो
पिछला

न्यूज ब्रीफ

आईसीएसई, आईएससी के नतीजे 6 मई को

नई दिल्ली|आईसीएसई 10वीं व आईएससी 12वीं के नतीजे 6 मई को घोषित करेगा। इस बार नतीजे दो हफ्ते पहले आ रहे हैं। लाइव इंक कैरेक्टर रिकग्निशन टेक्नोलॉजी अपनाने की वजह से नतीजे जल्द आएंगे।

पीएफ पर 8.80% ब्याज

नई दिल्ली|सरकार ने ईपीएफ पर ब्याज दर बढ़ाकर 8.80% कर दी है। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में दर 8.70% कर दी थी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी (सीबीटी) ने शुक्रवार को ब्याज दर 8.80% कर दी। ब्याज दर घटने पर ट्रेड यूनियंस ने विरोध किया था।

दो साल बाद सोना फिर 30,000 के पार

नई दिल्ली | सोना करीब दो साल बाद फिर 30,000 रुपए के पार हो गया। दिल्ली में शुक्रवार को यह 350 रुपए उछाल के साथ 30,250 रुपए प्रति 10 ग्राम रहा। विश्व स्तर पर इसकी कीमत सात हफ्ते की ऊंचाई पर थी। -विस्तृत बिजनेस पेज पर

आज पांच रुपए तक महंगा हो सकता है पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली|पेट्रोल व डीजल के दाम शनिवार को 5 रुपए तक बढ़ सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में

भास्कर अवेयरनेस
आज का प्रयास बचा सकता है कल

गर्मी का असर... देशभर में जल संकट बढ़ता जा रहा है। हरियाणा भी इससे अछूता नहीं है, यमुना का प्रवाह न्यूनतम स्तर पर है। दक्षिण हरियाणा और धान बेल्ट में पानी की ज्यादा कमी है। अपने जल संसाधनों पर रिपोर्ट

9000 तालाब सूखे, 8 लाख ट्यूबवेल से आधी से ज्यादा सिंचाई, बारिश का पानी बचे तो 25 लाख टन बढ़े उत्पादन

• हमारे पास पानी

सामान्यत : 1 करोड़ एकड़ फीट पानी हमें नहरों से मिलता है। लगभग इतना ही ट्यूबवेल से।

भास्कर टीम | पानीपत

देश के कई राज्य भारी जल संकट से जूझ रहे हैं। सबसे अच्छी सिंचाई व्यवस्था वाला राज्य हरियाणा भी इससे अछूता नहीं है। यमुना का जल प्रवाह न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। इससे प्रदेश को मिलने वाले 17000 क्यूसिक पानी की सप्लाई बीच-बीच में रोकी जा रही है। गर्मी में व्यवस्थाएं दुरुस्त न होने के कारण हर साल 15000 तालाबों वाले इस राज्य में 9000 तालाब सूख जाते हैं और 14000 किमी. में फैली नहरों में पानी आधा रह जाता है। धान की बुआई के समय पानी की मारामारी शुरू हो जाती है। कहीं नहरी पानी चोरी होता है तो कहीं 24-24 घंटे ट्यूबवेल चलते हैं। कई जिलों में उत्पादन भी प्रभावित होता है।

पानी बचाने में हम पीछे

▪ तालाबों का हाल

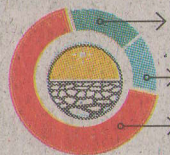

2800 तालाब नहरी पानी से भरे जाते हैं

2200 ट्यूबवेल से

9000 बारिश के पानी से

▪ सिंचाई निर्भरता

12.10 लाख हेक्टेयर फसलों की नहरों से होती है सिंचाई।

17.84 लाख हेक्टेयर ट्यूबवेल से।

▪ **171** लाख टन खाद्यान्न उत्पादन होता है प्रतिवर्ष। इनमें गेहूं, धान, ग्वार, सब्जी, फल गन्ना शामिल

सबसे ज्यादा पानी बारिश से, इस्तेमाल सबसे कम

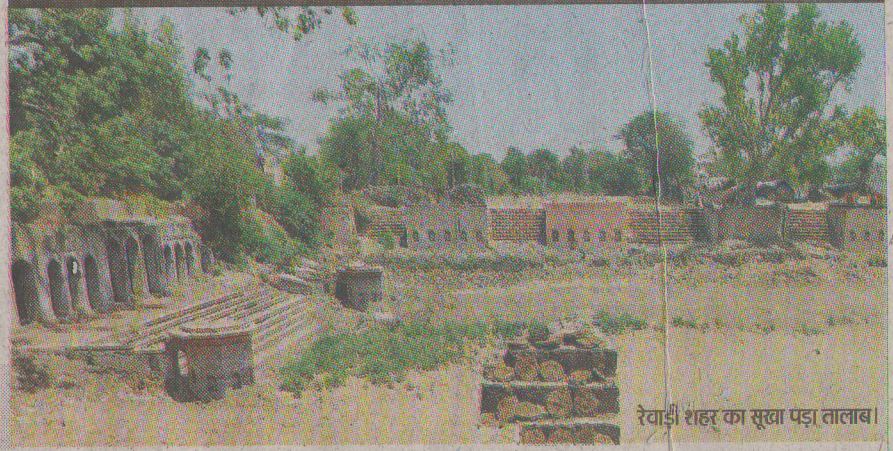

रेवाड़ी शहर का सूखा पड़ा तालाब।

जल स्तर घटने के 3 बड़े कारण

1. **अतिदोहन : 57% सिंचाई ट्यूबवेल से**

हरियाणा में 35.90 लाख हेक्टेयर में फसलों

2. **अनदेखी : नहीं बचा पा रहे बारिश का पानी**

बारिश के पानी का हम आज भी सही इस्तेमाल नहीं कर

इधर, पानी की कमी से बिकने लगी जमीन

भिवानी के उमरावत गांव में छोटे किसानों ने अपनी 250 एकड़ से ज्यादा जमीन बेच दी है। यहां नहर होने के बावजूद पिछले 30-35 सालों से अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच रहा है। छोटे किसान परेशान हैं, बैंकों का कर्ज बढ़ता जा रहा है। कोई मजदूरी कर अपना पेट पाल रहा है तो कोई फैक्टरियों में नौकरी से। कर्जदार किसानों को बैंक लगातार नोटिस भेज रहे हैं। यहां संभ्रांत किसान जमीन खरीद रहे हैं।

सोनीपत में पावर दुरु

आईएएस राजी खिलाफ गैर ज

सोनीपत | सोनीपत के पूर्व डीसी व एमडी राजीव रतन के खिलाफ चीफ आदलत ने गैर जमानती वारंट जारी डीसी रहते हुए शक्ति का दुरुपयोग 2000 वर्ग गज के पार्क निर्माण में कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर उन्हें सुनवाई 27 मई को होगी। मामला हाईकोर्ट की बिल्डिंग कमेटी ने सोन

डीसी रहते सोनीपत में सेशन हाउस के सामने पार्क निर्माण में रोड़ा अटकाया

मार्क थी। जिला स्तर की मेन्टिनें बैठक में पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन पार्क मार्क है वहां पर पाली हाउस लिए है। लेकिन जांच में ऐसा नहीं लिए डीटीपी से सलाह लेंगे। लेकि स्टेट डीटीपी से अप्रूव था। नौ मार्च दुरुपयोग कर पार्क में जानबूझकर ने स्वतः संज्ञान लिया। 22 मार्च क गए। 21 अप्रैल के लिए जमानती पहुंचे तो कोर्ट ने गैर जमानती वारंट

कोर्ट में अपना प

में न्यायालय का सम्मान करता किया है उसका अध्ययन कर रहे जानकारों से सलाह कर अपना प

-राजीव रतन, आई

गीता, बबीता को नोटिस, विनेश

...सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से ऐसा हो सकता है। 15 दिन पहले ब्रेंट क्रूड 43 डॉलर प्रति बैरल था, अब यह 48 डॉलर है।

विश्व बैंक अन्य देशों में भी 'आधार' चाहता है

वाशिंगटन | भारत की 'आधार' जैसी योजना विश्व बैंक अफ्रीकी महाद्वीप सहित अन्य देशों में लागू करना चाहता है। यूआईडीआईए के डीजी डॉ. अजय भूषण पांडे ने कहा, कई अफ्रीकी देश नागरिकों के लिए ऐसी ही आईडी चाहते हैं। -विस्तृत पेज 10 पर

सलमान के बाद अभिनव रियो में गुडविल एंबेसडर

नई दिल्ली | ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा सलमान खान के साथ रियो ओलिंपिक खेलों में भारतीय दल के गुडविल एंबेसडर होंगे। आईओए ने सचिन व एआर रहमान को भी एंबेसडर बनाने के लिए संपर्क साधा है।

करीब 8 लाख ट्यूबवेल 1 करोड़ 20 लाख एकड़ फीट पानी खींच रहे हैं। पूरा प्रदेश अतिदोहन के क्षेत्र में है। 15 ब्लॉक डार्क जोन घोषित हो चुके हैं।

हिसार, भिवानी, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, सिरसा में तो कुछ जगहों पर पीने के पानी की भी समस्या है। यहां टैंकरों में पानी की सप्लाई हो रही है। वहीं, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, करनाल, कैथल, अम्बाला, पानीपत सहित धान बेल्ट के ज्यादातर जिलों में पानी की कमी हो गई है। यमुना में पानी न होने के कारण इस बार धान की बुआई में भी असर पड़ने वाला है। सबसे ज्यादा पानी की खपत धान के उत्पादन में ही होती है। सीएसएसआरआई, करनाल के निदेशक डॉ. डीसी शर्मा के अनुसार एक किलो चावल तैयार करने में तीन हजार लीटर पानी खर्च हो रहा है। कई जिलों में समय पर फसल को पानी न मिल पाने के कारण उत्पादन प्रभावित होता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि हम बरसाती पानी को रोकने और नहरी पानी सप्लाई की व्यवस्था को सुधार दें तो प्रतिवर्ष 171 लाख टन कुल खाद्यान्न उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकते हैं।

लाख हेक्टेयर में फसलों की बुआई की जाती है। इनमें गेहूं, धान, सरसों, सब्जी, फल, गन्ना और कपास शामिल है। पूरे क्षेत्र की 12.10 लाख हेक्टेयर (41.3%) सिंचाई नहरी पानी से, 17.84 लाख हेक्टेयर (57.2%) सिंचाई ट्यूबवेल से होती है। प्रदेश में 8 लाख ट्यूबवेल करीब 1.20 लाख एकड़ फीट पानी खींच रहे हैं। शेष सिंचाई बारिश के पानी से हो रही है। सबसे ज्यादा पानी ट्यूबवेल खींच रहे हैं।

भी सही इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। हर साल बारिश से हमें 1 लाख 20 हजार एकड़ फीट पानी मिलता है। हम बारिश के पानी से केवल 1.5 प्रतिशत खेती की सिंचाई करते हैं। 60 प्रतिशत पानी ही इस्तेमाल होता है 40 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है। बरसाती पानी को तालाबों तक पहुंचाने के लिए सही नालियां नहीं हैं। इससे 9000 तालाब पूरी तरह भर ही नहीं पाते। गर्मी आते ही सूख जाते हैं।

3. अनिर्णय : नहर, तालाब सुधारने पर सिर्फ बात

प्रदेश में 1400 नहरों का जाल 14000 किमी. में फैला है। लेकिन ज्यादातर कच्ची हैं। पिछले 35 वर्षों से इनमें कोई सुधार नहीं हुआ। सफाई न होने के कारण से नहरों में पानी सप्लाई की क्षमता घटती जा रही है। 20000 क्यूसिक क्षमता की यमुना कैनाल में 17000 क्यूसिक पानी आ रहा है। 3000 क्यूसिक की जेएलएन में 2000 क्यूसिक पानी। इनमें सुधार पर सिर्फ बातें हो रही हैं।

...तो 7 मीटर और गिर जाएगा भूजल स्तर

किसान परंपरागत सिंचाई में ही लगे हैं। 8 लाख ट्यूबवेल लगातार भूजल दोहन कर रहे हैं। यदि तालाबों को दुरुस्त कर बरसाती पानी नहीं रोका गया तो आने वाले दस सालों में 7 मीटर तक भूजल स्तर और गिर जाएगा। इस दोहन से प्रतिवर्ष 40 से 50 सेमी भूजल स्तर लगातार गिर रहा है।

3 काम जो सरकार करे

- तालाबों की बाउंड्री पक्की करवाकर, गांव के आस पास नाली-नाले बनाकर बरसाती पानी तालाबों में पहुंचाने की व्यवस्था।
- गर्मी आते ही नहरी पानी से ज्यादातर तालाब पूरे भर दिए जाएं, तो ट्यूबवेल से पानी की खींच कम हो जाएगी, जलस्तर सुधरेगा।
- हर गांव में कम से कम एक या दो तालाब नहरी पानी से जोड़े जाएं, जो पूरे वर्ष नहरी पानी से भरे रहें। इससे भी ट्यूबवेल का उपयोग कम होगा।
- **किसान सिंचाई के तरीके बदलें।** धान के सीजन में वह सीधी बिजाई करें, फव्वारा सिंचाई अपनाएं। क्योंकि परंपरागत सिंचाई से एक किलो चावल तैयार करने में 3000 लीटर पानी लग रहा है।

बरसाती पानी बचाएंगे, तालाब सुधारेंगे: धनखड़

हां, यह सही है कि हम बरसाती पानी का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। हर वर्ष हमें 1.20 करोड़ पानी बारिश से मिलता है। इसका आधे से ज्यादा बेकार चला जाता है। हम तालाबों को नहरी पानी से जोड़ने, नहरों की क्षमता बढ़ाने, तालाबों को पक्का कर बारिश का पानी रोकने की व्यवस्था कर रहे हैं। फिलहाल 2800 तालाब नहरी पानी से भरे जा रहे हैं। हम जल्द ही 500 और तालाब नहरी पानी से जोड़ने जा रहे हैं। इसके लिए 2900 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। तालाबों में हर समय पानी रहेगा तो भूजल दोहन कम होगा। साथ ही प्रदेश में किसानों को पूरा पानी मिले तो 15 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ सकता है।

कंटेंट : श्याम द्विवेदी, प्रदीप नारायण, सुशील भार्गव

...गाटस, ...

नई दिल्ली | भारतीय ... आरोप में स्टार ...

गीता

बबीता

टूर्नामेंट में गीता, बबीता ... में हिस्सा नहीं लिया ... थे, जो नियमों के खिला... अधिक होने के कारण ... के अध्यक्ष बृजभूषण ... भारत की पहचान ... अनुशासनहीनता को ... है कि तीनों पहलवानों ...

पेड़ लगाने से ही बच सकता है पर्यावरण

बढ़ते वैश्विक तापमान व प्रदूषण के कारण निरन्तर जलवायु परिवर्तन हो रहा है और इस चिंतनीय स्थिति तक पहुंच गया है कि दिसम्बर 2015 में फ्रांस में विश्व स्तर पर शिखर सम्मेलन हुआ है जिसमें हमारे प्रधान मन्त्री ने भी भाग लिया था और विश्व के सभी देशों ने इसे गम्भीर संकट मानते हुए मानवता व प्रकृति के बीच संतुलन बनाने के लिए आपस में कई समझौते भी किए हैं। सौर उर्जा का अधिक उपयोग भी इसमें सम्मिलित है। हमें स्वच्छ पर्यावरण, स्वच्छ उर्जा, स्वच्छ जल के अतिरिक्त अधिक हरियाली की दिशा में सकारात्मक दृष्टीकोण अपनाते हुए कार्य करना होगा। प्रदूषण व निरन्तर कम होते जंगल के कारण 'पर्यावरण' सही रखना एक गम्भीर चुनौती बन गया है। विश्व भर में असमय हो रही अति वर्षा व बाढ़ भी जलवायु परिवर्तन का परिणाम है। वैश्विक तापमान व प्रदूषण पर अंकुश लगाने का वृक्षारोपण एक मात्र साधन है। विकास तथा आधुनिकता के नाम पर जंगल काटे जा रहे हैं। एक पेड़ 50 वर्ष में 17.50 लाख रूपये मूल्य की आक्सीजन देता है और पानी की रिसाइकलिंग अनुमानतः 41 लाख रूपये की बनती है। एक पेड़ हर वर्ष लगभग 3 किलो कार्बन डाईअक्साइड सोख लेता है जिसका वायु प्रदूषण नियन्त्रण खर्च अनुमान 35 लाख रूपये बैठता है। चीन कार्बन-डाय-ऑक्साइड के उत्सर्जन में 1 नम्बर पर है। इस सूची में संयुक्त अमेरिका का दूसरा स्थान है। चिंतनीय विषय है कि हर वर्ष लगभग 80 हजार एकड़ जंगल कम हो रहे हैं। लकड़ी बर्बाद न करें, हरे पेड़ न काटे तथा कागज बर्बाद न करें ताकि जंगल कम न हों । एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है

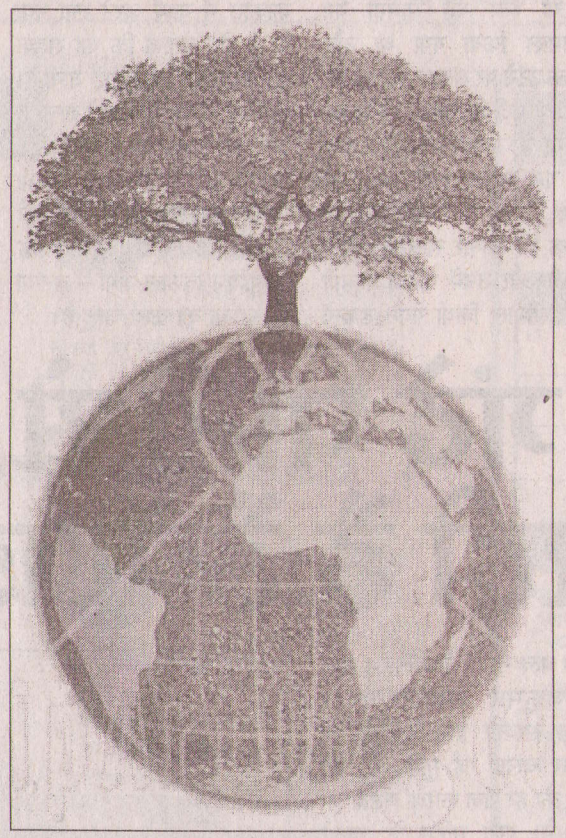

उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी आक्सीजन लेता है उससे 3 आक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते हैं जिसकी अनुमानित लागत 2100 बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति (यदि औसत आयु 65 वर्ष मान लें) अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की आक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं व प्रदूषण कम करने में सहयोग करें। वृक्ष लगाना आवश्यक है और लकड़ी व कागज का कम प्रयोग भी पेड़ कम कटने में सहायक हो सकते हैं। 6 पेड़ों से बने कागजों का इस्तेमाल एक परिवार साल भर करता है। अब सवाल यह है कि उस परिवार का प्रत्येक सदस्य साल भर में कितने पेड़ लगाता है? 40 प्रतिशत पेड़ दुनियाभर में केवल कागज बनाने के लिए काट डाले जाते हैं। अनुमानित 9 लाख टन कागज विद्यार्थियों द्वारा सालभर में इस्तेमाल किया जाता है। 200 वर्षों में जलवायु परिवर्तन इतनी तेजी से हुआ है कि प्राणी व वनस्पति जगत को इस बदलाव के साथ सामंजस्य बैठा पाने में बड़ी मुश्किल हो रही है। इस परिवर्तन के लिए काफी हद तक मानवीय क्रिया क्लाप ही जिम्मेवार है। 70 प्रतिशत वायु प्रदूषण वाहनों से निकलने वाले धुएं के कारण होता है। केवल दिल्ली में ही हर साल 5 लाख से ज्यादा वाहन बढ़ रहे हैं। अन्य शहरों का भी यही हाल है। विश्व स्वास्थय संगठन के अनुसार दूषित वायु के कारण हमारे देश में 24 लाख लोग हर साल मर रहे हैं। दिल्ली विश्व के सर्वाधिक प्रदूषण वाले नगरों की श्रेणी में है। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और स्वच्छता, जल-उर्जा संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं।

आओ सुन्दर देश बनाएं, जंगल बिना मेघ ना बरसें
हरे भरे हम वृक्ष लगाएं, लगे पेड़ तो फिर क्यों तरसें
हर साथी इक पेड़ लगाए, आज समय की यही पुकार
उमड़ घुमड़ कर वर्षा आए, बच्चे दो और पेड़ हजार

हमारे लिए हमारी संस्कृति ही हमारी जड़ है और भारतीय संस्कृति की जड़ों में है वन, वृक्ष, पानी, भूमि यानि पूरी प्रकृति...। जड़ों के बगैर वृक्ष में बढ़ोतरी, प्रगति नहीं हो सकती। जड़ों से कटकर कोई वृक्ष जीवित ही नहीं रह सकता। हम वृक्षों को इसलिए उगाते हैं, ताकि हमें उनसे खाद्य की प्राप्ति हो। आरम्भ में अन्न, मनुष्य की खुराक नहीं थी। हम पशुपालक थे और पशुओं के साथ अपना जीवनयापन करते हुए फलों का सेवन करते थे। फिर धीरे धीरे घास के बीजों को पकाकर खाना शुरू किया गया और इस तरह मनुष्य ने अन्न की खेती करना और संग्रह करना शुरू किया, तभी से दुनिया में अधिकांश लड़ाइयां होने लगी। अब समय आ गया है, जब पुरी मनुष्य जाति को अपने भविष्य के बारे में नए सिरे से सोचना होगा। फिर प्रकृति की ओर लौटना होगा।

रमेश गोयल, राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण,
भारत विकास परिषद, सिरसा।